समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

टीम इंडिया से बाहर होने पर Mohammed Shami का बड़ा बयान : 'मेरे करीब कोई भारतीय गेदंबाज नहीं', फिर भी चयन से निराश

Sanket Morankar

Published on 01 Apr 2026

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज Mohammed Shami ने टीम इंडिया से लगातार बाहर रहने पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा बयान दिया है। करीब एक दशक से अधिक समय तक भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ रहे शमी ने अब संकेत दिए हैं कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शायद खत्म होने की ओर है, लेकिन इसके बावजूद उनके मन में चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल और नाराजगी साफ झलक रही है।

शमी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने अपने करियर में जो प्रदर्शन किया है, उसके आधार पर वह खुद को आज भी भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में मानते हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, "आईपीएल और पिछले कुछ सालों के प्रदर्शन को देखिए, मेरे आसपास कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं आता।" यह बयान दर्शाता है कि शमी अपने प्रदर्शन को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं, लेकिन चयनकर्ताओं के फैसलों से संतुष्ट नहीं हैं।

Mohammed Shami आखिरी बार भारत के लिए 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेले थे, जहां भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। इसके बाद से वह टीम से बाहर चल रहे हैं। फिटनेस हासिल करने के बावजूद उन्हें टी20, वनडे और टेस्ट—तीनों फॉर्मेट में मौका नहीं मिला।

बताया जा रहा है कि चयन समिति, जिसकी अगुवाई Ajit Agarkar कर रहे हैं, शमी को भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं मान रही है। हालांकि शमी के आंकड़े इस फैसले पर सवाल खड़े करते हैं।

टीम इंडिया से बाहर रहने के बावजूद शमी ने घरेलू क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। 2025-26 सीजन में उन्होंने करीब 67 विकेट लेकर अपनी फिटनेस और फॉर्म दोनों साबित की। इसके अलावा आईपीएल में भी उनका रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है।

शमी ने कहा कि अगर उन्हें गेंद ही नहीं दी जाएगी, तो वह क्या कर सकते हैं। "अगर मुझे मौका मिलेगा तभी मैं विकेट ले पाऊंगा,

वरना मैं सिर्फ पानी पिलाने वाला बनकर रह जाऊंगा," उन्होंने कहा। यह बयान उनके अंदर की निराशा को साफ तौर पर दर्शाता है।

Mohammed Shami ने 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और तब से लेकर अब तक कई यादगार प्रदर्शन किए हैं। खासकर ICC Cricket World Cup 2023 में उनका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा, जहां उन्होंने 24 विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज बने।

उन्होंने अपने करियर में वनडे हैट्रिक भी ली, न्यूजीलैंड के खिलाफ 7/57 का शानदार स्पेल डाला और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे। इन उपलब्धियों के बावजूद आज वह टीम से बाहर हैं, जो उनके लिए कहीं न कहीं निराशाजनक है।

35 साल की उम्र में शमी खुद भी मानते हैं कि अब टीम में वापसी मुश्किल होती जा रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अपने करियर पर कोई पछतावा नहीं है। "मैं संतुष्ट हूं। मैंने देश के लिए काफी क्रिकेट खेला, नाम, सम्मान और पैसा सब मिला," शमी ने कहा।

इसके बावजूद उनके बयान से यह साफ है कि वह अभी भी खुद को साबित करने का मौका चाहते हैं। उनका मानना है कि वह अभी भी प्रतिस्पर्धा में हैं और टीम के लिए योगदान दे सकते हैं।

शमी का मामला भारतीय क्रिकेट में चयन नीति पर भी सवाल खड़ा करता है। क्या अनुभवी खिलाड़ियों को जल्दी नजरअंदाज किया जा रहा है? क्या युवा खिलाड़ियों को मौका देने के चक्कर में अनुभवी खिलाड़ियों की अनदेखी हो रही है?

कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि शमी जैसे अनुभवी गेंदबाज का टीम में होना संतुलन के लिए जरूरी है, खासकर बड़े टूर्नामेंट्स में।

फिलहाल Mohammed Shami आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे। अगर वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो चयनकर्ताओं पर दबाव जरूर बनेगा।

हालांकि, यह भी सच है कि भारतीय टीम अब एक नई दिशा में आगे बढ़ रही है और ऐसे में शमी के लिए वापसी का रास्ता आसान नहीं होगा।

मोहम्मद शमी का बयान सिर्फ एक खिलाड़ी की निराशा नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में बदलती प्राथमिकताओं की झलक भी है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से हमेशा टीम को मजबूती दी, लेकिन अब जब उन्हें मौका नहीं मिल रहा, तो सवाल उठना लाजमी है।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता शमी को एक और मौका देते हैं या उनका अंतरराष्ट्रीय करियर यहीं थम जाता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.